लोस टिकिट के लिए दोनों दलों के नेता सक्रिय

नवभारत न्यूज

खंडवा, 28 जनवरी.. लोकसभा चुनाव नजदीक है. दावेदारों ने कमर कस ली है. भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के नेता निमाड़ में भी सक्रिय हो गए हैं. भाजपा में भी एक दर्जन बड़े नेता सक्रिय हैं. सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने जमावट तेज कर दी है.

कांग्रेस से अरूण यादव, राजनारायण सिंह और घनश्याम राठौर जैसे बड़े नेता दिल्ली-भोपाल से लेकर खंडवा लोकसभा क्षेत्र के गांवों में भी कार्यकर्ताओं के बीच पहुंच रहे हैं. पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव को पहले लोकसभा और फिर नंदकुमार चौहान के निधन के बाद हुए उपचुनाव में सांसद के टिकिट के लिए कांग्रेस के ही बड़े नेताओं के आफर थे. बताते हैं कि अरूण यादव ने इनकार कर दिया था. इसके बाद राजनारायण सिंह को उपचुनाव में मौका दिया गया. फिलहाल बड़े नेताओं के संपर्क में घनश्याम राठौर लगे हुए हैं. दिल्ली और भोपाल में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिल चुके हैं.

राजनीति में सब संभव- घनश्याम राठौर ने खंडवा लोकसभा क्षेत्र के आखरी छोर बागली विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ दौरे भी शुरू कर दिए हैं. उनका कहना है कि राजनीति में सब कुछ संभव है. पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें लोकसभा का खंडवा से टिकिट दिया, तो वे तन,मन और धन से पीछे नहीं हटेंगे. राम मंदिर निर्माण के समय मोदी की लहर के बारे में उनका कहना है कि भगवान में सबकी आस्था है.

सबके हैं राम- राम केवल भाजपा के ही नहीं हैं. राम और हनुमान को हम सब भी मानते हैं, लेकिन इसका राजनीतिक इस्तेमाल आम जनता अच्छी तरह समझ चुकी है. यह विजन लोकसभा चुनाव के आते-आते साफ हो जाएगा. मंदिर के मुद्दे पर जनता भले एकजुट हो, लेकिन पार्टीगत चुनाव होंगे, तब का नजारा कुछ और होगा.

मैदानी तैयारी शुरू- कुल मिलाकर, चुनाव अभी दूर है. इसके बावजूद टिकिट के लिए कांग्रेस व भाजपा दोनों में गोटियाँ जमने लगी हैं. अभी मैदानी स्तर पर किसी ने प्रक्रिया शुरू नहीं की है. लेकिन यह तय है कि भाजपा में ज्ञानेश्वर पाटिल, अमर यादव, बलिरामजी जैसे लोगों के नाम सामने आ रहे हैं. कांग्रेस में भी घनश्याम राठौर ने तो मैदानी स्तर पर दौरे शुरू कर दिए हैं.

पांच बार जनपद उपाध्यक्ष- श्री राठौर खंडवा लोकसभा क्षेत्र के झीरन्या क्षेत्र से पांच बार जनपद उपाध्यक्ष रहे हैं. पार्टी संगठन के लिए चालीस साल से सक्रिय रहे हैं. बस आपरेटर होने के कारण पूरे लोकसभा क्षेत्र में उनकी पकड़ आठों विधानसभा क्षेत्रों में है. इसीलिए उन्हें विश्वास है कि पार्टी के बड़े नेता उन पर विश्वास कर लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारेंगे.

होटल संचालक को दी धमकी

ग्वालियर, 28 जनवरी. ग्वालियर के किशोर सुधारगृह से भागे एक अपचारी ने बहोड़ापुर में होटल संचालक को धमकी दी है. अपचारी के खिलाफ पुरानी छावनी पुलिस ने धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है. बाद में पुलिस ने उसे रात में इंदौर से पकड़ लिया. सुधारगृह से फरार होने के बाद वह गर्लफ्रेंड के साथ भाग गया था. इस मामले में छात्रा अक्षया की हत्या करने वाले तीन अपचारियों सहित चार अभी फरार हैं. एएसपी ऋषिकेश मीणा के मुताबिक इंदौर में पकड़े गए अपचारी को ग्वालियर लाया जा रहा है.

थाने में शव रखकर जताया विरोध

मामला पुलिसकर्मी की मारपीट के बाद आहत युवक की आत्महत्या का

नवभारत न्यूज

रतलाम, 28 जनवरी. आदिवासी अंचल के बाजना थाना क्षेत्र के गांव छावनी भाभर के 22 वर्षीय युवक की पुलिस पिटाई के बाद आत्महत्या का मामला दूसरे दिन भी सूर्खियों में रहा. आक्रोशित परिवार और ग्रामीण रविवार को युवक का पोस्टमार्टम होने के बाद फिर से शव को बाजना थाने लेकर पहुंचे. विरोध करते हुए ग्रामीण शव को लेकर थाने के अंदर जा घुसे और टेबल पर ही शव रखकर धरने पर बैठ गए. अचानक हुए इस घटनाक्रम से पुलिस भी कुछ समझ नहीं पाई.

आक्रोशित परिवार और ग्रामीणों ने थाना घेरा

पुलिस पिटाई के बाद युवक ने आत्महत्या

ग्रामीण न केवल थाने में शव रखकर धरने पर बैठे वरन इनमें से कुछ लोग तो थाना परिसर में ही युवक का अंतम संस्कार करने की बात कहने लगे. इसके लिए कुछ लोग लकडियां और सूखी घास भी लेकर आ चुके थे. जैसे-तैसे पुलिस ने उन्हें समझाया फिर भी वे मानने को तैयार नहीं दिखे. ग्रामीण थाने के बाहर धरने पर बैठे रहे. उनका कहना था कि बाजना थाने का पूरा स्टाफ बदला जाए क्योंकि यहां जो भी अधिकारी या कर्मचारी आता है वह ऐसे ही जुल्म करता है.

यह है पूरा मामला

बाजना थाने की 100 डायल पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ने बीते दिनों छावनी भाभर निवासी युवक गणेश पिता छगनलाल को रात के समय चैकिंग के दौरान थप्पड़ रसीद कर दिया था. इस पर युवक ने दूसरे दिन थाने पहुंचकर अपनी गलती पूछी. पुलिसकर्मियों ने उसे संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो वह मरने की बात कहते हुए घर आया और पर आकर फंदे पर लटक गया. इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोश फैला और वे शनिवार की दोपहर शव लेकर बाजना थाने पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे. बाद में एसपी ने 100 डायल के कर्मचारी को निलंबित कर दिया.

विधायक डोडियार पहुंचे थाने

रविवार को सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार को इसकी जानकारी लगी तो वे बाजना थाने पहुंचे. उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा की और उन्हें समझाते हुए कानूनी प्रक्रिया की जानकारी दी. विधायक के समझाने पर परिजन माने और शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर दोपहर बाद थाने से रवाना हुए. बताया जा रहा है कि शासन की तरफ से मृतक परिवार को दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता का चेक भी दिया गया.

25 सालों से किए गए अवैध कब्जे को प्रशासन ने ढहाया

नवभारत न्यूज

रीवा, 28 जनवरी, सिरमौर चौराहा से बोदाबाग नीम चौराहा तक बनने वाली फोरलेन सडक़ निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी में ढ़हा दिया. रविवार की दोपहर प्रशासन पहुंचा और शासकीय भूमि में बाउन्ड्री बनाकर किये गये अतिक्रमण को भारी विरोध के बीच गिरा दिया गया. 25 वर्ष से अवैध कब्जा था.

तहसीलदार शिवशंकर पाण्डेय एवं नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला सहित भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे जहां सडक़ निर्माण कर रही कंपनी के कर्मचारी व ब्रिज कार्पोरेशन के अधिकारी भी मौजूद थे. लगभग 40 सालों से 25 फिट सरकारी भूमि पर बाउंड्री बनाकर रह रहे अनुपम तिवारी के दीवाल को भारी विरोध के बीच ढहा दिया. उसके तत्काल बाद ही बन रही नाली निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया. वर्षों से उक्त जमीन पर अवैधानिक तरीके से बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया था. कई बार प्रशासन द्वारा बाउंड्री को हटाने निर्देश भी दिया गया बावजूद इसके भवन स्वामी द्वारा उक्त बाउंड्रीवाल को नहीं हटाया गया जिससे नीम चौराहा तक होने वाले सडक़ निर्माण की गति न सिर्फ धीमी पड़ गई थी बल्कि नाली निर्माण का काम भी रुक गया था. बताया गया है कि भवन स्वामी द्वारा उक्त मामले की याचिका भी हाईकोर्ट में दायर की गई थी जिसकी सुनवाई सोमवार को होनी थी उसके पूर्व ही प्रशासन ने बाउंड्रीवाल को गिरा दिया. जैसे ही बाउंड्रीवाल गिराने के लिए जेसीबी मशीनें पहुंचीं, वहां पर हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई और घंटों विवाद होता रहा. मौके पर मौजूद तहसीलदार ने भवन स्वामी को समझाया लेकिन इसके बाद भी वह समझने को तैयार नहीं थे. हालांकि बाद में पुलिस की मौजूदगी में अवैध बाउंड्री को गिरा दिया गया.

सडक़ व नाली निर्माण में आ रही थी बाधा

पुलिस और प्रशासन की टीम ने की कार्रवाई

पटेल और अंबेडकर की मूर्तियां होंगी स्थापित

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने दोनों पक्षों के साथ की बैठक

नवभारत न्यूज

उज्जैन, 28 जनवरी. कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा की मौजूदगी में रविवार को प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित सभा कक्ष में गत दिनों माकड़ोन में हुई घटना से संबंधित दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई.

बैठक में कलेक्टर सिंह ने दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने के लिए कहा. दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों द्वारा गत दिनों माकड़ोन में हुई घटना पर दुःख व्यक्त किया गया. साथ ही दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों द्वारा भविष्य में माकड़ोन में शांति और आपसी सामंजस्य बनाए रखने का आश्वासन भी दिया गया. इसके अलावा आपसी समन्वय से यह निर्णय लिया गया कि माकड़ोन में सरदार पटेल और डॉ. अंबेडकर दोनों की मूर्तियां पुनः स्थापित की जाएंगी. सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पुनः उसी स्थान पर स्थापित की जाएगी, इसके अतिरिक्त माकड़ोन के बस स्टैंड पर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की मूर्ति भी स्थापित की जाएगी.

हार्ट अटैक से एसडीएम की मौत

डिंडौरी, 28 जनवरी. जिले के शहपुरा तहसील में पदस्थ एसडीएम निशा नापित की मौत हो गई. सीने में दर्द होने के चलते रविवार दोपहर लगभग 3 बजे उनके पति मनीष शर्मा उन्हें शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे. यहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया.

सूचना मिलने के बाद कलेक्टर विकास मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अखिल पटेल सहित अधिकारी अस्पताल पहुंचे. प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक उनकी मौत हार्ट अटैक के चलते मानी जा रही है. हालांकि पीएम के बाद ही स्पष्ट कारण का पता चल पाएगा.

उल्लेखनीय है कि 22 दिसम्बर 1973 को छत्तीसगढ़ में जन्मी निशा नापित ने ग्वालियर के मनीष शर्मा से विवाह किया था. बतौर डिप्टी कलेक्टर वह जुलाई 2023 में पदस्थ हुई, उन्हें सितम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव के पहले ही शहपुरा एसडीएम की कमान सौंपी गई थी. सूत्रों के मुताबिक निशा की बहन नीलिमा नापित और बेटे स्वज्निल नयन अम्बिकापुर से शहपुरा के लिये रवाना हो गये है. परिजनों के आने के बाद पीएम ही करवाया जाएगा.

पूर्व बीएमओ चले गए, नए बीएमओ को नहीं मिला चार्ज

सिविल अस्पताल में छह माह से प्रभावित हो रहे रोगी कल्याण समिति के कार्य

सुसनेर, 28 जनवरी. नगर का शासकीय सिविल अस्पताल बड़ी अजीब सी स्थिति से गुजर रहा है. इस अस्पताल के पूर्व बीएमओ छह माह पूर्व यहां से जिला मुख्यालय चले गए किन्तु अब तक तक रोगी कल्याण समिति का चार्ज वर्तमान अधिकारी को नहीं दिया जा सका है. जिस वजह से सिविल अस्पताल के कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं. इसका असर मरीज को मिलने वाली सुविधाओं पर भी पढ़ रहा है.

रोगी कल्याण समिति में वर्ष 2020-21 से अभी तक एक करोड़ से भी अधिक की आमदनी हो चुकी है. रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल परिसर के बाहर दुकान बनाकर नीलाम की है. इनमें से दो दुकान ही करीब 90 लाख रुपए में नीलाम हुई है. अगस्त 2023 में नए खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव बरसाना ने चार्ज लिया था. किंतु पूर्व बीएमओ डॉक्टर मनीष कुरील के द्वारा रोगी कल्याण समिति का चार्ज आज तक नहीं दिया गया. रोगी कल्याण समिति के द्वारा बीते 3 वर्षों में अस्पताल परिसर में कराए गए विभिन्न कार्यों में गड़बडियां के कई मामले अभी तक सामने आए हैं. इनमें अस्पताल परिसर में बिना इंजीनियर की अनुमति के कराए गए कई निर्माण कार्य शामिल है .जो निर्माण कार्य कराए गए उनमें से अधिकांश का मूल्यांकन इंजीनियर से नहीं कराया गया. निर्माण कार्य से पहले तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति नहीं ली गई जो निर्माण कार्य कराए गए उनका लागत मूल्य अधिक बढ़ाकर राशि की हेरा फेरी की गई. इसके अलावा भी नीलामी में रोगी कल्याण समिति की दुकान खरीदने वाले दुकानदारों से पूरी राशि जमा कराए बिना ही दुकान सौप दिया जाने जैसे मामले शामिल हैं. रोगी कल्याण समिति का चार्ज प्राप्त करने के लिए वर्तमान खंड चिकित्सा अधिकारी ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार पत्र लिखे गए किंतु कोई भी अधिकारी अभी तक चार्ज नहीं दिलवा पाया है. इसके चलते रोगी कल्याण समिति के कागजातों में हेरा फेरी करने की आशंकाएं पैदा होने लगी है.

इनका कहना है...

मैंने अगस्त 2023 में खंड चिकित्सा अधिकारी का पदभार ग्रहण किया था. किंतु तत्कालीन बीएमओ द्वारा रोगी कल्याण समिति का चार्ज मुझे अब तक नहीं दिया गया है. मेरे द्वारा इस संबंध में कई बार पत्र व्यवहार वरिष्ठ अधिकारियों से किया किंतु अभी तक चार्ज नहीं मिला है. इस वजह से कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं.

डॉ. राजीव बरसेना, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, सुसनेर

डॉ. कर्णावट जापान आमंत्रित

ओसाका एवं टोक्यो विवि में संबोधित करेंगे

भोपाल, 28 जनवरी. प्रदेश के यशस्वी लेखक एवं वक्ता तथा रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र के सलाहकार डॉ जवाहर कर्णावट को जापान के ओसाका विश्वविद्यालय तथा टोक्यो विश्वविद्यालय के विदेशी अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है.

डॉ. कर्नावट 2 से 4 फरवरी तक टोक्यो विश्वविद्यालय में आयोजित अंतराष्ट्रीय भाषा सम्मेलन में %विदेश में हिंदी मीडिया %विषय पर विचार व्यक्त करेंगे. आप 5 फरवरी को ओसाका विश्वविद्यालय एवं भारतीय कौंसलावास, विदेश मंत्रालय के संयुक्त तत्वधान में आयोजित विश्व हिंदी दिवस समारोह में भी विशिष्ट अतिथि होंगे. इस अवसर पर पद्मश्री से सम्मानित जापान के हिंदी विद्वान तोमियो मिजोकामि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित पुस्तक का लोकार्पण भी होगा, जिसमें डॉ .कर्नावट के आलेख भी शामिल किए गए हैं.

कार्यालय प्राचार्य शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम (म.प्र.)
(उत्कृष्टता संस्थान)
फैक्स/फोन- 07574-254095, 254247
वेबसाइट- www.mp.gov.in/highereducation/nmv/
महाविद्यालय का कोड- 3201
ई-मेल- hegnchos@mp.gov.in
क्रमांक 12/स्था./2024 नर्मदापुरम, दिनांक 23/1/2024

निविदा

विभागीय परिसंपतियों के रख-रखाव हेतु महाविद्यालय के भवन मरम्मत हेतु लो.नि.वि. के इंजीनियर द्वारा प्रदत प्राक्कलन के आधार पर सील बंद निविदा पंजीकृत फर्म/ ठेकेदार से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आमंत्रित की जाती हैं.

शर्तें :-
1. निविदा सीलबंद लिफाफे में स्वीकृत की जाएंगी.
2. निविदा डाक/ कोरियर या स्वयं उपस्थित होकर निविदा प्रकाशन की तिथि से दस दिवस के अंदर महाविद्यालय में प्राप्त हो जानी चाहिए. उसके पश्चात प्राप्त होने वाली निविदा मान्य नही की जाएगी.
3. निविदा लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदत प्राक्कलन की दर से कम दर पर स्वीकृत की जाएगी.
4. स्वीकृत निविदा फर्म को कराए जाने वाले कार्य लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर की देखरेख में होगा, जिसका पारिश्रमिक स्वीकृत निविदा फर्म को देना होगा.
5. निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार प्राचार्य का होगा.
6. स्वीकृत निविदा फर्म को गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करना होगा.
7. फर्म/ ठेकेदार पंजीकृत होना चाहिए. पंजीयन प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा.

प्राचार्य
जी-23445/23 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम

अभ्यारण्य क्षेत्र घड़ियालों की सुरक्षा व्यवस्था बनाने में सोन घड़ियाल अभ्यारण्य अमला लापरवाह

सोन नदी में घड़ियालों की संख्या बढ़ाना बड़ी चुनौती

नवभारत न्यूज

सीधी 28 जनवरी. तमाम प्रयासों के बावजदू सोन घडियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में घडियालों की संख्या नहीं बढ़ पा रही है. इसके कहीं न कहीं सोन घडियाल अभ्यारण्य के अधिकारियों की कमी मानी जा रही है.

मालूम रहे कि हर वर्ष मार्च महीना घडियालों की प्रजनन अवधि होती है. इस माह मे घडियाल अपने अंडे नदियों के किनारे देते हैं. जिन्हें पानी के तेज बहाव से खतरा रहता है. वहीं बीच-बीच में बाणसागर बांध का पानी छोड़े जाने और तेज बहाव के साथ ज्यादा पानी छोडने से घडियालों के अंडे बहने की आशंका रहती है. वहीं पानी के तेज बहाव के कारण मादा घडियाल कहां अंडे दी है उस स्थान की शिनाख्त मिट जाती है. जिससे अंडे की सुरक्षा मादा घडियाल नहीं कर पाती. सोन नदी में जल स्तर कम हो जाने से बाणसागर से नदी में पानी छोडने की व्यवस्था पिछले तीन वर्ष से की जाती है. यदि पानी छोडने में लापरवाही बरती गई तो घडियालों के अंडे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. गत वर्ष बाणसागर बांध से 170 क्यूमेक्स पानी सोन नदी में छोड़ दिया गया था. जिस पर अभ्यारण्य में कार्यरत विशेषज्ञों एवं अभ्यारण्य प्रबंधन द्वारा आशंका जताई गई थी कि इस प्रकार तीव्र गति से पानी छोड़े जाने से घडियालों के प्रजनन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा. क्योंकि सारे नेस्टिंग व बास्किंग साईट पानी में डूब गये और कुछ बह गये. सोन घडियाल अभ्यारण्य के अधिकारियों द्वारा यह जानकारी शासन के ध्यान में लाई थी. जिसे शासन द्वारा गंभीरता से लेते हुए बाणसागर बांध के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे इस प्रकार पानी छोड़े ताकि

घडियालों व अन्य वन्यप्राणियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े. सोन घडियाल अभ्यारण्य के अधिकारियों ने जानकारी सार्वजनिक की थी कि मार्च माह घडियालों का प्रजनन काल होता है जिसके चलते एक साथ तेज बहाव से पानी छोडने से एकाएकजोगदहा में पानी का स्तर बढ़ेगा और घडियालों के अंडे बहने की आशंका रहेगी. मादा घडियाल अंडे देने के लिए चतुरता दिखाती है. अंडे देने की अवधि के दस दिन पूर्व वह रेत में तीन गड्ढे तैयार करती हैं. जहां रोजाना पानी से निकलकर गड्ढे की निगरानी करती है. वहीं एक गड्ढे में 30 से 35 की संख्या में अंडे देती है और तीनों गड्ढों को पाट देती हैं. इसके पीछे कारण बताया जाता है कि मादा घडियाल अंडों की सुरक्षा के लिए ऐसा करती है ताकि लोगों को पता न चल पाए कि किस गड्ढे में अंडे हैं. अब सोन घडियालय अभ्यारण्य द्वारा राष्ट्रीय अभ्यारण्य मुरैना से नर घडियालों को सोन नदी के जोगदहा घाट में लाकर संख्या बढ़ाने का प्रयास शुरू किया गया है. इस तरह के प्रयास पूर्व में भी हो चुके हैं.

65 दिन में अंडे से बाहर आते हैं नन्हें घडियाल

अंडे देने के बाद मादा घडियाल रोजाना अंडों की निगरानी करती है. 65 दिन की अवधि नजदीक आते ही वह जिस गड्ढे में अण्डे हैं वहां की करीब दो फिट रेत को बाहर कर देती है. जिससे कुहू की आवाज करते हुए घडियाल अण्डे से बाहर आ जाते हैं. अण्डे से बाहर आते ही घडियाल के बच्चे गड्ढे से बाहर निकलकर पानी के किनारे पहुंच जाते हैं. यदि मार्च से जुलाई माह तक पानी छोडने व पानी की समुचित उपलब्धता को लेकर लापरवाही बरती गई तो घडियालो का प्रजनन प्रभावित हो सकता है. सोन नदी में घडियालों को रहने के लिए प्रमुख तौर पर 7 घाट निर्धारित किए गए थे. जहां पूर्व में घडियाल आशियाने बतौर अपना ठिकाना बनाते थे. किन्तु कुछ वर्षों से 7 घाट की जगह सोन नदी में मात्र एक घाट में ही घडियाल देखे जा रहे हैं. इस क्षेत्र से बाहर घडियाल निकले तो वे रेत माफियाओं के ताण्डव के शिकार हो जाते हैं. जिसके कई मामले सामने आ चुके हैं.

NARCL नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
सीआईएन- U67100MH2021GOI363511
पता- बिरला सेंचुरियन, 8वीं मंजिल, यूनिट नंबर 01, 794, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुंबई-400 030
ईमेल आईडी- nishithkejriwal@narcl.co.in/Ph- 022-69601108

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम2002) के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियमों के नियम 8 (6) के प्रावधानों के साथ पढ़ी जाती है.
इसके द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल ट्रस्ट-0002/ 2022-23 के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्य करते हुए) के पास गिरवी/चार्ज की गई है, (सुरक्षित ऋणदाता), जिसका भौतिक कब्जा सुरक्षित ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, जैसा है जहां है, जैसा है जो है और जो कुछ भी है पर, 14.02.2024 को बेचा जाएगा जो 20 दिसंबर 2023 तक 1465,03,08,641/- रुपये [एक हजार चार सौ पैंसठ करोड़ तीन लाख आठ हजार छह सौ इकतालीस रुपये मात्र] की वसूली के लिए अतिरिक्त ब्याज के साथ 21 दिसंबर 2023 से आज तक प्रलेखित दर के अनुसार वसूली हेतु.
उपरोक्त बकाया राशि एसएसए इंटरनेशनल लिमिटेड (उधारकर्ता) और सैमटेक्स फैशन प्राइवेट लिमिटेड, एम्पायर फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड, गार्टेक्स ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, एसएसआर अपैरल प्राइवेट लिमिटेड, रीता मित्तल, राहुल मित्तल, विनय मित्तल, नवीन मित्तल (गारंटर) से सुरक्षित ऋणदाता को देय है. संपत्ति, उसकी आरक्षित कीमत और बयाना राशि का विस्तृत विवरण इस प्रकार होगा-

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना	नीलामी की तिथि एवं समय	आरक्षित मूल्य (रु. में)	बयाना राशि जमा (रु. में)
97,750 वर्ग मीटर की भूमि (पट्टाधार) और उसमें भवन औद्योगिक प्लॉट नंबर 11, मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र, वरण-2, ग्राम-मंडीदीप, तहसील-गोहरगंज, जिला-रायसेन, मध्य प्रदेश, पिन-462046 पर स्थित है. उत्तर- प्लॉट नंबर 11-ए-1. दक्षिण- प्लॉट नंबर 10 और खुली भूमि. पूर्व- खुली भूमि पश्चिम- सड़क.	14.02.2024 11.00 AM से दोपहर 12.00 बजे तक के बीच.	रु. 29,50,00,000/- (उनतीस करोड़ पचास लाख रुपये मात्र)	रु. 2,95,00,000/- (दो करोड़ पच्यानवे लाख रुपये मात्र)

ज्ञात बाधाएँ-
एमपीआईडीसी (एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) ने वित्त वर्ष 2023-24 तक ब्याज सहित लीज रेंट और रखरखाव शुल्क के लिए 102.38 लाख रुपये का बिल जारी किया है.
निरीक्षण की तिथि एवं समय- 05.02.2024 पूर्वाह्न 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक
बोली जमा करने की अंतिम तिथि- 13.02.2024 शाम 5.00 बजे से पहले.
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट यानी https-//www.narcl.co.in/auctions पर दिए गए लिंक को देखें. अंग्रेजी और इस नोटिस के स्थानीय संस्करण में प्रकाशित वर्तमान बिक्री नोटिस में किसी भी विसंगति के मामले में, अंग्रेजी में अंग्रेजी नोटिस की सामग्री मान्य होगी.

दिनांक- 29.01.2024 एसडी/-
स्थान- मुंबई प्राधिकृत अधिकारी
नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल ट्रस्ट-0002/2022-23 के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता से कार्यरत)